



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिभार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 70]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 27, 1980/चैत्र 7, 1982

No. 70]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 27, 1980/CHAITRA 7, 1982

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1980

सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 132(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 11H के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित क्षेत्र के तस्करी के लिए भेद्यता को ध्यान में रखते हुए, उक्त क्षेत्र को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट क्षेत्र के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर राज्यों के राज्य-क्षेत्रों में भारत-पाकिस्तान सीमा और उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिमी बंगाल राज्यों में भारत-नेपाल सीमा से पचास किलोमीटर चौड़ा अन्तर्देशीय क्षेत्र।

[सं. 50-सीमा-शुल्क/फा. सं. 394/173/79-  
सी यू एस (ए एस)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 27th March, 1980

(CUSTOMS)

G.S.R. 132(E).—In exercise of the powers conferred by clause (c) of section 11H of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, having regard to the vulnerability to smuggling of the area mentioned in the Schedule hereto annexed, hereby specifies the said area as specified area for the purposes of the said Act.

SCHEDULE

The inland area fifty kilometers in width from the India—Pakistan border in the territories of the States of Gujarat, Rajasthan, Punjab, Jammu and Kashmir and the India—Nepal border in the States of Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal.

[No. 50-Customs/F. No. 394/173/79-Cus.(AS)]

सा. का. नि. 133(अ).—केंद्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 11E की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस उपधारा के खण्ड (1) के प्रयोजनार्थ चांदी बूलियन और सिक्कों को माल के रूप में विनिर्दिष्ट करती है और निदेश करती है कि ऐसा कोई भी माल, जिसकी संकलित बाजार कीमत एक हजार रुपये से अधिक है, उक्त अधिनियम की धारा 11J के अधीन विनिर्दिष्ट किसी क्षेत्र से, उसमें या उसके भीतर तब तक परिवहन नहीं किया जाएगा, जब तक कि उक्त धारा 11E की उपधारा (1) के अधीन परिवहन वाउचर पर उचित अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षर नहीं कर दिए जाते :

परन्तु ऐसा कोई प्रतिहस्ताक्षर,—

- (1) यथास्थिति, उसी नगर, शहर या ग्राम में एक स्थान से अन्य स्थान तक 9 बजे पूर्वह्न से 8 बजे अपराह्न के दौरान, या
- (2) ऐसे माल के व्यापारी या परिष्करणकार द्वारा किए गए विक्रय या अन्तरण के परिणामस्वरूप तब जब इस प्रकार विक्रय किए गए या अन्तरित:

माल की बाजार-कीमत पांच हजार रुपये से अधिक नहीं है,

ऐसे किसी माल के परिवहन की बाबत आवश्यक नहीं होगा ।

[सं. 51-सीमा-शुल्क/फा. सं. 394/173/79-सी यू एस (ए एस)]

आर. सी. जर्मा, अवर सचिव

**G.S.R. 133(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11K of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby specifies silver bullion and coins as goods for the purpose of clause (i) of that sub-section and directs that no such goods, the aggregate market price of which exceeds one thousand rupees, shall be transported from, into or within any area specified under section 11H of the said Act unless the transport voucher under sub-section (1) of the said section 11K has been countersigned by the proper officer :

Provided that no such counter-signature shall be necessary in respect of transportation of any such goods,—

- (i) during the hours from 9 a.m. to 8 p.m. from one place to another in the same city, town or village, as the case may be ; or
- (ii) consequent on a sale or transfer made by a dealer or refiner of such goods if the market price of the goods so sold or transferred does not exceed five thousand rupees.

[No. 51-Customs/F. No. 394/173/79-CUS(AS)]

R. C. VERMA, Under Secy.